हामिद खाँ

ans ① लेखक भारत के रहने वाले थे। एक रोज़ वह गर्मियों में तक्षिला के खंडहर देखने गए थे। तेज गर्मी में भूख और प्यास के मारे लेखक का बुरा हाल था। खाने की खोज में वो पास के एक गाँव की ओर चल दिए। वहाँ की तंग और गंदी गलियों में लेखक खाने के लिए होटल ढूंढने लगे।

ans ② जब लेखक ने हामिद खाँ को बताया कि वह भारत से है और हिंदू है तो हामिद खाँ को यकीन हुआ और उसने लेखक से पूछा कि क्या वो एक हिंदू होकर भी एक मुसलमान होटल में खाना खायेगा। यह सब सुनकर हामिद खाँ को यकीन नहीं हुआ पर वह यह सब खुद यह सब खुद अपनी आँखों से देखना चाहता था।

ans ③ हामिद को लेखक की भारत सहित बातों पर विश्वास नहीं हुआ। लेखक ने हामिद को बताया कि उनके प्रदेश में हिंदू-मुसलमान बड़े प्रेम से रहते हैं। वहाँ के हिंदू बढ़िया चाय या पुलावों का स्वाद लेने के लिए मुसलमानों को अत्याचारी मानकर उनसे घृणा करते थे। इसलिए हामिद

को लेखक की बातों पर ~~वि~~ विश्वास न हो सका।

ans(v) हामिद खाँ ने खाने का पैसा लेने से इसलिए इंकार कर दिया, क्योंकि-

- वह भारत से पाकिस्तान गए लेखक को अपना मेहमान मान रहा था।
- हिंदू होकर भी लेखक मुसलमान के होटल पर खाना खाने गया थे।
- लेखक मुसलमानों की आत्मीयों।